सूचना और प्रसारण मंत्री (श्री एस० जयपाल रेड्डी) :(क) 1997-98 के दौरान, विभिन्न राज्यों में 112 अल्पशक्ति ट्रांसमीटर और 84 अति अल्पशक्ति ट्रांसमीटरों को पूरा करने का लक्ष्य है बशर्ते संसाधन एवं अन्य आधारभूत सुविधा उपलब्ध हों।

(ख) विभिन्न राज्यों में टी०वी० सेवा को बढ़ाने के लिए विभिन्न मंचों से समय-समय पर अनुरोध प्राप्त होते रहे है। जिन स्थानों पर टी०वी० ट्रांसमीटरों की स्थापना करने के लिए हाल ही में अनुरोध प्राप्त हुए हैं उन स्थानों की राज्य-वार सूची अनुपत्र—I में दी गयी है। **[देखिए परिशिष्ट 181, अनुपत्र सं० 43]**

(ग) हालांकि आन्ध्र प्रदेश में आचम पेट तथा त्रिपुरा में कैला शहर स्थित अल्प शक्ति ट्रांसमीटरों को पहले ही चालू कर दिया गया है तथापि अनुपत्र-II [देखिए परिशिष्ट 181, अनुपत्र सं० 44] में उल्लिखित स्थानों पर स्थापित किए जाने के लिए प्रस्तावित शेष 110 अल्प शक्ति ट्रांसमीटरों एवं 84 अति अल्प शक्ति ट्रांसमीटरों को तैयार भवन की उपलब्धता एवं उपकरणों की समय पर आपूर्ति पर निर्भर करते हुए चालू वर्ष की शेष अवधि के दौरान पूरा कर लिए जाने की आशा है।

सांसदों की मांग पर स्थापित किए गए स्थानीय रेडियो स्टेशन और दूरदर्शन ट्रांसमीटर

1522. **श्री रामगोपाल यादव:**
श्री ईश दत्त यादव:

क्या **सूचना और प्रसारण** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सांसदों की मांग पर सरकार द्वारा स्थापित किए गए स्थानीय रेडियो स्टेशन और कम शक्ति के दूरदर्शन ट्रांसमीटर इस समय कार्य कर रहे हैं;

(ख) यदि हां, तो इनके चालू होने से लेकर अब तक इस संबंध में हुई प्रगति का ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो इनके कार्य न करने के क्या कारण हैं; और

(ग) इन रेडियो स्टेशनों और दूरदर्शन ट्रांसमीटरों को चालू करने के लिए सरकार द्वारा क्या कदम उठाये जाने का विचार है और ये कदम कब तक उठाए जाएंगे?

सूचना और प्रसारण मंत्री (श्री एस० जयपाल रेड्डी): (क) से (ग) संसद सदस्यों/अति विशिष्ट व्यक्तियों सहित विभिन्न मंचों से टेलीविजन/रेडियो ट्रांसमीटर आदि स्थापित करने संबंधी अनुरोध समय-समय पर प्राप्त होते रहते हैं। नए ट्रांसमीटरों के स्थलों का निर्धारण करते समय इस प्रकार के अनुरोधों को ध्यान में रखा जाता है। नए ट्रांसमीटरों के स्थलों का निर्णय करने संबंधी मानदण्डों में परिणामी कवरेज की सीमा क्षेत्रों की भूभागीय परिस्थितियां, क्षेत्र की भाषायी एवं सांस्कृतिक आवश्यकताएं, तकनीकी व्यवहार्यता, वित्तीय/आधार भूत संसाधनों की उपलब्धता आदि जैसे कारक शामिल हैं। इस समय 638 अल्प शक्ति टेलीविजन ट्रांसमीटर और 73 स्थानीय रेडियो केन्द्र प्रचालनाधीन हैं। इसके अलावा, 18 स्थानीय रेडियो केन्द्र, कार्यान्वयन के विभिन्न चरणों में हैं। इनमें से कुछ ट्रांसमीटर/स्थानीय रेडियो केन्द्र, इन केन्द्रों के लिए पर्याप्त स्टाफ स्वीकृत न किए जाने के कारण केवल अंशकालिक ट्रांसमिशन रिले कर रहे हैं अथवा नियमित रूप से ट्रांसमिशन रिले नहीं कर रहे हैं। स्टाफ की मंजूरी शीघ्र प्राप्त करने के लिए पहले ही कार्रवाई आरंभ कर दी गई है।

दूरदर्शन/आकाशवाणी के कर्मचारियों द्वारा सामूहिक अवकाश लिया जाना

1523. **श्री ईश दत्त यादव:**
श्री रामगोपाल यादव:

क्या **सूचना और प्रसारण** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या दूरदर्शन और आकाशवाणी के तकनीकी कर्मचारियों ने मई के तीसरे सप्ताह में सामूहिक अवकाश लिया था, यदि हां, तो इसके क्या कारण थे और ये कर्मचारी कितने दिनों तक अवकाश पर रहे;

(ख) आकाशवाणी और दूरदर्शन के कार्यक्रमों पर इसका क्या प्रभाव पड़ा तथा इसके परिणामस्वरूप सरकार को राजस्व की कितनी हानि हुई; और

(ग) कर्मचारियों की सरकार से क्या मांगें थी तथा सरकार द्वारा इन मांगों पर क्या निर्णय लिया गया?

सूचना और प्रसारण मंत्री (श्री एस० जयपाल रेड्डी): (क) और (ख) जी, हां। आकाशवाणी और दूरदर्शन के तकनीकी कर्मचारी, पांचवें केन्द्रीय वेतन आयोग की सिफारिशों के विरोध में दिनांक 18 और 22 मई, 1997 को सामूहिक अवकाश पर थे। आंदोलनात्मक स्थिति के बावजूद, कुछ इक्का-दुक्का मामलों को छोड़कर आकाशवाणी/दूरदर्शन सेवाएं अबाधित रूप से जारी रहीं। सरकार को इससे राजस्व की कोई हानि नहीं हुई।

(ग) उनकी मांगें वेतनमान बढ़ाने के बारे में हैं और जिन्हें सरकार द्वारा गठित सचिवों की एक समिति को भेज दिया गया है।